दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 05 मार्च 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 156

महत्वपूर्ण एवं खास

वायुसेना का लड़ाकू विमान लक्ष्य से ठीक 1 मिनट पहले लापता, सेना में मचा हडक़ंप; व्यापक खोज अभियान शुरू

मनीला । फिलीपींस वायुसेना (पीएएफ) का एक एफए-50 लड़ाकू विमान मंगलवार आधी रात को अपने लक्ष्य तक पहुंचने से महज एक मिनट पहले लापता हो गया। इस घटना से वायुसेना में चिंता फैल गई है। विमान सामरिक रात्रि अभियान पर था। वायुसेना ने बताया कि एफए-50 लड़ाकू विमान का मिशन में शामिल अन्य विमानों से संपर्क उस समय टूट गया, जब वह लक्ष्य क्षेत्र से केवल एक मिनट की दूरी पर था। दूसरे विमान ने मध्य फिलीपींस के सेबू प्रांत के मैक्टन के पास लापता जेट से बार-बार संपर्क साधने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। पीएएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि लापता लड़ाकू विमान का पता लगाने के लिए व्यापक और गहन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। वायुसेना अपने सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर रही है। लड़ाकू विमान के अचानक लापता होने से पीएएफ में हलचल मच गई है। सेना ने कहा कि उनकी प्राथमिक चिंता विमान में सवार कर्मियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना है। पीएएफ ने आशा व्यक्त की है कि जल्द ही विमान और विमानकर्मियों का पता लगा लिया जाएगा। वर्तमान में, खोज अभियान को और तेज कर दिया गया है।

इजरायल ने सीरियाई वायु रक्षा बटालियन पर किए हवाई हमले

दमिश्क । इजरायल ने एक बार फिर सीरिया में हवाई हमले किए हैं। सीरियाई सरकारी मीडिया और एक युद्ध मॉनिटर के मुताबिक, इजरायल ने सीरिया के पश्चिमी तटीय शहर टार्टस के पास एक सीरियाई वायु रक्षा बटालियन को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। सोमवार रात को हुए हमले में टार्टस के बाहरी इलाकों को निशाना बनाया गया, जिसमें अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना के हवाले से बताया कि सीरियाई नागरिक सुरक्षा दल और सैन्य विशेषज्ञों को नुकसान का आकलन करने और हमलों के सटीक स्थानों की पुष्टि करने के लिए तैनात किया गया है। एक स्थानीय टीवी चैनल ने बताया कि हमला टार्टस में एक वायु रक्षा बटालियन पर हुआ था। इस बीच, सीरियाई ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने टार्टस बंदरगाह पर एक बड़े विस्फोट की सूचना दी, जो अज्ञात विमानों की उपस्थिति के साथ मेल खाता है।

यूएई में भारतीय महिला को दी गई फांसी, केंद्र ने हाईकोर्ट में कहा- हमें 13 दिन बाद पता चला

यूएई । उत्तर प्रदेश की रहने वाली शहजादी खान को संयुक्त अरब अमीरात में 15 फरवरी 2025 को फांसी दे दी गई। दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय दूतावास शहजादी के परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है। अंतिम संस्कार 5 मार्च 2025 को किया जाएगा। दिल्ली हाईकोर्ट को उसके पिता की तरफ से उसकी सलामती की याचिका पर सुनवाई करते हुए बताया गया और तस्दीक की गई की महिला को फांसी दी जा चुकी है। इसकी जानकारी मिलने के बाद जस्टिस सचिन दत्ता ने इसे बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। शहजादी नाम की इस महिला को फांसी दिए जाने का मामला पिछले 4 माह से भारतीय मीडिया में सुखिर्यों में बना हुआ था, और इस बात को लेकर संशय की स्थिति थी कि महिला को फांसी होगी या उसे भारत सरकार के दखल के बाद माफ़ी या उसकी सजा को उम्र कैद में बदल दिया जाएगा? केंद्र सरकार ने बताया कि दुबई स्थित दूतावास के अफसर शहजादी के परिवार के लिए इस बात का इंतज़ाम कर रहे हैं कि वो लोग अबू धाबी में अपनी बेटी के अंतिम संस्कार में शामिल हो सके। सरकार ने कहा कि हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की, लेकिन वहां के कानून एक शिशु की हत्या से बहुत गंभीर रूप से निपटते हैं, इसलिए सरकार का दखल काम नहीं आ सका। बांदा निवासी शहजादी के पिता शब्बीर खान ने कहा कि उनकी बेटी शहजादी की स्थिति के बारे में गहरी अनिश्चितता थी और स्पष्टीकरण के लिए विदेश मंत्रालय को उनके बार-बार किए भेजे गए आवेदन का कोई जवाब नहीं मिल रहा था। याचिका में आगे इल्ज़ाम लगाया गया कि अपने नियोक्ता के चार महीने के बच्चे की कथित हत्या के मामले में स्थानीय अदालतों के समक्ष शहजादी का मजबूती के साथ बचाव नहीं किया गया।

भारतीय सड़कों पर हाइड्रोजन ट्रक का पहला ट्रायल शुरू

नई दिल्लीस । आरएनएस

देश की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने जलवायु परिवर्तन से लडऩे के लिए देश के हरित अभियान के अनुरूप भारतीय सडक़ों पर हाइड्रोजन से चलने वाले भारी-भरकम ट्रकों का पहला ट्रायल शुरू किया है।

यह ऐतिहासिक ट्रायल सस्टेनेबल लंबी दूरी के माल परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस ट्रायल को सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने हरी झंडी दिखाई.

ट्रायल का यह चरण 24 महीने तक चलेगा और इसमें अलग-अलग कॉन्फिगरेशन और पेलोड क्षमताओं वाले 16 एडवांस्ड हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों की लाना शामिल है. नए युग के हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन (एच2-आईसीई) और ईंधन सेल (एच2-एफसीईवी) तकनीकों से लैस इन ट्रकों का ट्रायल भारत के सबसे प्रमुख मालवाहक मार्गों पर किया जाएगा, जिनमें मुंबई, पुणे, दिल्ली-एनसीआर, सूरत, वडोदरा, जमशेदपुर और कलिंगनगर शामिल हैं.

इस ट्रायल के लिए टाटा मोटर्स को टेंडर दिया गया था, जिसे राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया जाता है. ऑटो प्रमुख ने कहा, इस अग्रणी पहल के माध्यम से, टाटा मोटर्स सस्टेनेबल मोबिलिटी सॉल्यूशन में आगे बने रहते हुए भारत के व्यापक हरित ऊर्जा लक्ष्यों के साथ अपने कमिटमेंट को जोड़ता है.

ट्रायल को हरी झंडी दिखाते हुए, गडकरी ने कहा, हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है, जिसमें उत्सर्जन को कम करके और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ाकर भारत के परिवहन क्षेत्र को बदलने की अपार क्षमता है. इस तरह की पहल भारी-भरकम ट्रकिंग में सस्टेनेबल मोबिलिटी में बदलाव को गति प्रदान करेगी और हमें एक कुशल, कम कार्बन वाले भविष्य के करीब ले जाएगी.

नितिन गडकरी ने कहा कि ने प्रदूषण एक बड़ी चिंता है. उन्होंने कहा, मुझे यहां मौजूद लोगों को प्रदूषण के बारे में समझाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि दिल्ली में हम जिस तरह से वायु प्रदूषण की समस्या का सामना कर रहे हैं, आप सभी इसका अनुभव ले रहे हैं. इसलिए हमारी नीतियां आयात विकल्प, लागत प्रभावी, प्रदूषण मुक्त और स्वदेशी हैं.

प्रहलाद जोशी ने कहा, भारत के सस्टेनेबल और जीरो कार्बन भविष्य में बदलाव के लिए हाइड्रोजन एक महत्वपूर्ण ईंधन है. इस ट्रायल की शुरुआत भारत के परिवहन क्षेत्र को कार्बन मुक्त बनाने में हरित हाइड्रोजन की क्षमता को प्रदर्शित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

12 घंटे से भी कम समय में दिल्ली से पटना की यात्रा, नई वंदे भारत ट्रेन लॉन्च को तैयार

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंडियन रेलवे जल्द ही एक और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने की तैयारी में है. चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) द्वारा निर्मित यह नई सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन नई दिल्ली और पटना के बीच चलेगी. पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) जोन द्वारा इस नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन किया जाएगा.

हालांकि, रेलवे ने अभी तक दिल्ली-पटना वंदे भारत ट्रेन के लॉन्च की तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की है. रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे होली के आसपास यह ट्रेन सेवा शुरू कर सकता है और यह होली स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेगी. नई दिल्ली-पटना वंदे भारत ट्रेन 12 घंटे से भी कम समय में 1000 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और यह देश की सबसे लंबी चलने वाली वंदे भारत ट्रेन होगी.

रिपोर्ट के मुताबिक, नई दिल्ली-पटना वंदे भारत स्पेशल ट्रेन पूरे रूट में पांच स्टेशनों पर रुकेगी- कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा जंक्शन.

नई दिल्ली और पटना के बीच चलने वाली यह वंदे भारत का टाइम टेबल भी लगभग तय हो गया है. जिसके मुताबिक, यह ट्रेन नई दिल्ली से सुबह 8:25 बजे रवाना होने और रात 8 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी. वापसी में यह ट्रेन अगले दिन शाम 6 बजे पटना जंक्शन से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 7:30 बजे दिल्ली पहुंचेगी. हालांकि, अंतिम समय सारिणी जल्द ही रेलवे बोर्ड द्वारा अधिसूचित की जाएगी.

राज्य सरकारें सस्ता इलाज देने में नाकाम, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को गाइडलाइन बनाने की कही बात

नई दिल्ली । आरएनएस

देश में राज्य सरकारें लोगों को सस्ता इलाज देने में नाकाम साबित हुआ है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि इलाज सस्ता न मिलने के कारण प्राइवेट अस्पतालों को बढ़ावा मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ लफ्ज़ों में कहा कि केंद्र सरकार को इस पर गाइडलाइन बनानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में लगाई एक याचिका में कहा गया था कि प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों और उनके परिवारों को अस्पताल की फार्मेसी से महंगी दवाएं और मेडिकल इक्यूपमेंट खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। इसलिए ऐसे अस्पतालों पर नकेल कसी जाए। इसे रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को आदेश दिया जाए। जिसको लेकर केंद्र ने अपने जवाब में कहा कि मरीजों को अस्पताल की फार्मेसी से दवा खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह जरूरी है कि राज्य सरकारें अपने अस्पतालों में दवाएं और मेडिकल सेवाएं सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराएं ताकि मरीजों का शोषण न हो। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'हम याचिकाकर्ता बात से सहमत हैं, लेकिन इसे कैसे नियंत्रित करें? कोर्ट ने राज्य सरकारों से कहा कि वे प्राइवेट अस्पतालों को कंट्रोल करें, जो मरीजों से अस्पताल के दुकानों से दवाई खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। खासकर वे दवाइयों जो किसी और जगह सस्ते में मिल रही हैं।'

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को गाइडलाइंस बनाने को कहा है जिससे प्राइवेट अस्पताल आम लोगों का शोषण न कर सके।

बांग्लादेश ने भारतीय सीमा पर तैनात किए खतरनाक ड्रोन, भारत में चिंता बढ़ी

नई दिल्ली । आरएनएस

पाकिस्तान के साथ बढ़ती नज़दीकियों के बीच, बांग्लादेश ने तुर्की से रिश्ते सुधारते हुए ञ्जक्च-2 बेकरतार ड्रोन खरीदे हैं और उन्हें भारत से लगी सीमाओं पर तैनात कर दिया है। यह घटनाक्रम भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान के लिए चिंता का कारण बन गया है।

शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का झुकाव इस्लामिक देशों की ओर बढ़ा है। इस कड़ी में, बांग्लादेश ने तुर्की से ञ्जक्च-2 बेकरतार ड्रोन प्राप्त किए हैं, जो लंबी दूरी तक उड़ान भरने में सक्षम हैं। रक्षा सूत्रों के अनुसार, इन ड्रोनों को भारत की सीमा के पास तैनात किया गया है और पिछले कुछ दिनों में सीमा क्षेत्र में इनकी उड़ानें देखी गई हैं।

बेकरतार ड्रोन एक मध्यम ऊंचाई पर लंबी अवधि तक उड़ान भरने वाला मानवरहित हवाई वाहन है। एक बार ईंधन भरने के बाद यह लगभग 27 घंटे तक लगातार उड़ान भर सकता है और 8,230 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सक्षम है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह ड्रोन संभावित रूप से अन्य देशों के लड़ाकू जेट विमानों तक को मार गिराने की क्षमता रखता है। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने भी इसी पीढ़ी के ड्रोन तुर्की से खरीदे हैं और दोनों देशों के बीच लंबे समय से मजबूत रक्षा संबंध रहे हैं। कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के भडक़ाने पर तुर्की ने अतीत में संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर भारत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की हैं।

भारतीय सुरक्षा बलों ने इन ड्रोनों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखना शुरू कर दिया है और सीमा पर रडार सिस्टम स्थापित किए गए हैं ताकि इन उपकरणों की निगरानी की जा सके। रक्षा सूत्रों ने बताया है कि अब तक ये ड्रोन बांग्लादेशी हवाई क्षेत्र तक ही सीमित पाए गए हैं, लेकिन इनकी 20 घंटे तक की लगातार उड़ान क्षमता चिंताजनक है।

भारत की चिंताएं यहीं समाप्त नहीं होती हैं। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने भारत से लगती सीमा पर पाकिस्तानी अधिकारियों के दौरे की अनुमति दी है, जिनमें इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से जुड़े लोग भी शामिल बताए जा रहे हैं। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने हाल ही में इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि पाकिस्तान, जिसे भारत आतंकवाद का केंद्र मानता है, के अधिकारियों की सीमा क्षेत्र में उपस्थिति चिंताजनक है।

बांग्लादेश के बदलते रवैये पर भारतीय सरकार और सेना दोनों ही बारीकी से नजर रख रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बांग्लादेश द्वारा तुर्की से ड्रोन की खरीद और उन्हें सीमा पर तैनात करना, साथ ही पाकिस्तानी अधिकारियों की सीमा क्षेत्र में गतिविधियों को देखते हुए, भारत को सतर्क रहने और स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता है।

दिल्ली पुलिस ने दो करोड़ की ब्राइडल आउटफिट चोरी का खुलासा किया, 3 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली पुलिस ने फतेहपुर बेरी थाना क्षेत्र में एक बड़ी चोरी का खुलासा किया है। घटना पिछले सप्ताह की है। एक नामी बुटीक से दो करोड़ रुपये के ब्राइडल आउटफिट और अन्य कीमती सामान चुराए गए थे।

पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो नाबालिग और एक महिला शामिल हैं।

चोरी की घटना 28 फरवरी और 1 मार्च के बीच की रात को हुई थी। आरोपी महिला अपने दो साथियों के साथ बुटीक में घुसी और सुरक्षा गार्ड को बंधक बना लिया। फिर, उन्होंने बुटीक से 50 से ज्यादा ब्राइडल आउटफिट और अन्य कीमती सामान चुरा लिए। पुलिस ने जांच में पाया कि आरोपियों ने डीवीआर भी चुराया था, ताकि उनकी पहचान न हो सके। पुलिस ने तकनीक का सहारा लेकर जांच की और आरोपियों का पता लगाते हुए उनके द्वारा उपयोग किए गए वाहन को मंगलपुरी क्षेत्र में पकड़ लिया। वहां से पुलिस ने सभी चोरी की गई वस्तुएं बरामद कीं।

इस चोरी का मास्टरमाइंड बुटीक का पूर्व सेल्सबॉय था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसकी साथी महिला को भी पकड़ लिया गया है, जो गार्ड को गुमराह करने में शामिल थी।

पुलिस ने कुल 50 डिजाइनर ब्राइडल आउटफिट्स, कैमरा, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित दो करोड़ रुपये का चोरी का सामान बरामद किया है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले को कुछ ही घंटों में सुलझा लिया और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

एडिशनल डीसीपी अचिन गर्ग ने मीडिया को बताया कि दिल्ली के फतेहपुर में एक ब्राइडल डिजाइनर बुटीक में लूट और चोरी की घटना 28 फरवरी और 1 मार्च की दरम्यानी रात हुई। पीसीआर कॉल के जरिए पुलिस को सूचना मिली कि एक बुटीक में चोरी हो रही है। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो पता चला कि वहां एक सुरक्षा गार्ड था, जिसने फोन करके मदद मांगी थी। गार्ड ने बताया कि तीन लोग आए थे, जिनमें एक महिला भी थी। महिला ने गार्ड से कहा कि वह बुटीक के मालिक की रिश्तेदार है और अंदर सामान लेने के लिए आई है। जब गार्ड ने उन्हें अंदर जाने से रोका और फोन करने को कहा, तो महिला ने गार्ड का फोन छीन लिया और दो अन्य लोग बाहर से आए। उन तीनों ने मिलकर गार्ड को बंधक बना लिया और दो घंटे तक बुटीक के अंदर लूटपाट की। वे महंगे लहंगे, सूट और साडिय़ां अपने साथ ले गए।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और 30 घंटे के अंदर मामले को सुलझा लिया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय जांच और बुटीक के पास स्थित 70-80 कैमरों को चेक किया। इसके बाद, एक टेम्पो का पता चला जिसका इस्तेमाल लूट करने के लिए किया गया था। पुलिस ने टेम्पो के मालिक से संपर्क किया और एक किशोर को गिरफ्तार किया, जिसने बाकी आरोपियों की पहचान करवाई।

एक आरोपी बुटीक में ही काम करता था और महिला एक सोशल मीडिया के जरिए उससे मिली थी। पूरी लूट की योजना उस कर्मचारी ने बनाई थी, जो बुटीक में काम करता था। वह ऑनलाइन जुआ में पैसा हार चुका था। उसके पास बुटीक के ग्राहकों की संपर्क जानकारी थी, जिन्हें वह सस्ते दामों पर चोरी का सामान बेचने की योजना बना रहा था।

शिकायकर्ता आशीष बत्रा ने कहा, मैं दिल से पुलिस टीम का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने इतनी मेहनत से मेरी सभी चीजें पूरी तरह से रिकवर कर दीं। उन्होंने इतनी अच्छे तरीके से ऑपरेशन चलाया, बिना किसी को डिस्टर्ब किए और केस को बहुत जल्दी सॉल्व किया। चोरी किए गए सामान बहुत कीमती और खास थे, जो हमारी ब्राइड्स के लिए डिजाइन किए गए थे।

रंग लाई कोशिशें, गंगा में बढ़ी डॉल्फिन की संख्या

लखनऊ । आरएनएस

ताजा रिपोर्ट के अनुसार, गंगा नदी में एक बार फिर डॉल्फिन की संख्या बढ़ गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, डॉल्फिन की सबसे ज्यादा संख्या उत्तर प्रदेश में पाई गई है। उत्तर प्रदेश में 2397 डॉल्फिन पाई गई हैं, जबकि बिहार में 2220, पश्चिम बंगाल में 815 और असम में 635 डॉल्फिन पाई गई हैं।

बता दें कि उत्तर प्रदेश में गंगा जल को निर्मल एवं स्वच्छ बनाने के लिए योगी सरकार लगातार काम कर रही है। नतीजतन नदी में जलीय जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सभी गुण मौजूद हैं। लगातार नदियों की सफाई का नतीजा डॉल्फिनों की संख्या में वृद्धि के रूप में देखा जा सकता है।

एफआईसीसीआई होमलैंड सिक्योरिटी 2025 और 8वें स्मार्ट पुलिसिंग अवॉर्ड्स का समापन

- इनोवेशन और तकनीकी प्रगति पर रहा फोकस
- स्मार्ट पुलिसिंग के बेहतरीन मॉडल्स को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली । आरएनएस

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई) द्वारा आयोजित होमलैंड सिक्योरिटी 2025 सम्मेलन और 8वें स्मार्ट पुलिसिंग अवॉर्ड्स का भव्य समापन हुआ। नई दिल्ली स्थित एफआईसीसीआई फेडरेशन हाउस में आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर के शीर्ष पुलिस अधिकारी, नीति निर्धारक और उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन का उद्देश्य भारत में कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देना और पुलिस बलों के बेहतरीन कार्यों को सम्मानित करना था।

इस सम्मेलन का सबसे बड़ा आकर्षण रहा एफआईसीसीआई स्मार्ट पुलिसिंग अवॉर्ड्स फेलिसिटेशन सेरेमनी, जहां भारत के अग्रणी राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय एजेंसियों को उनके अनूठे, नवाचार-आधारित और प्रभावी पुलिसिंग मॉडल्स के लिए सम्मानित किया गया।

इस साल दिल्ली, गोवा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश की पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आर पीएफ) को उनके असाधारण कार्यों के लिए सराहा गया। इन अवॉर्ड्स के तहत बाल सुरक्षा, सामुदायिक पुलिसिंग, अपराध जांच एवं अभियोजन, साइबर अपराध प्रबंधन, आपदा एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया, मानव तस्करी, सडक़ सुरक्षा एवं ट्रैफिक प्रबंधन, स्मार्ट पुलिस स्टेशन, निगरानी एवं मॉनिटरिंग, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण, महिला सुरक्षा और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर किए गए बेहतरीन प्रयासों को सराहा गया।पूर्व केंद्रीय गृह सचिव जी.के. पिल्लई ने अपने संबोधन में साम्प्रदायिक तनाव और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ी बढ़ती चुनौतियों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने हाल ही में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए पुलिसिंग में बेहतर प्रशिक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया, ताकि संवेदनशील परिस्थितियों को प्रभावी ढंग से संभाला जा सके।

एफआईसीसीआई रक्षा एवं होमलैंड सिक्योरिटी कमेटी के को-चेयर और एसएमपीपी के सीईओ, आशीष कंसल ने आधुनिक पुलिसिंग में बढ़ती जटिलताओं पर जोर दिया। उन्होंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भारतीय उद्योग जगत के बीच सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता बताई, जिससे सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के लिए उपयुक्त तकनीकी समाधान विकसित किए जा सकें।

एफआईसीसीआई रक्षा एवं होमलैंड सिक्योरिटी कमेटी के को-चेयरमैन और ज़ेन टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन एवं एमडी अशोक अतलुरी ने पुलिस विभाग में तकनीकी खरीद प्रक्रियाओं में आ रही बाधाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया।

पूर्व डीजी, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) अरुण कुमार, आईपीएस (सेवानिवृत्त) ने कानून प्रवर्तन में तकनीक और मानवीय बुद्धिमत्ता के संतुलन पर जोर दिया। उन्होंने यूपी एसटीएफ द्वारा 1990 के दशक में मोबाइल सर्विलांस के पहले प्रयोग का उदाहरण देते हुए कहा कि अत्यधिक तकनीकी निर्भरता से बचना चाहिए और परंपरागत जमीनी पुलिसिंग को मजबूत बनाना जरूरी है।

गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के मेजर जनरल प्रवीन छाबड़ा ने आतंक प्रभावित क्षेत्रों में इडी धमाकों के बढ़ते खतरे पर चिंता जताई। उन्होंने न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस और सैटेलाइट इमेजिंग जैसी आधुनिक तकनीकों के विकास पर जोर दिया, जिससे विस्फोटकों का जल्द पता लगाया जा सके।इस सम्मेलन में 'स्मार्ट पुलिसिंग के सर्वश्रेष्ठ उदाहरणों का संकलन' भी लॉन्च किया गया। इसमें देशभर के पुलिस बलों द्वारा अपनाए गए सफल और प्रभावी उपायों को शामिल किया गया है।